BSKC – 133

बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य (तृतीय छमाही)

(जुलाई, 2020 एवं जनवरी, 2021 सत्रों के लिए)

BSKC – 133 संस्कृत नाटक

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. (कार्यक्रम) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2020–21)

पाठ्यक्रम कोड : BAG/BSKC-133/2020–21

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2020 सत्र के लिए : 30 अप्रैल 2021

जनवरी 2021 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर 2021

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKC- 133 संस्कृत नाटक

पाठ्यक्रम कोड – BSKC-133
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत नाटक
सत्रीय कार्य – BSKC – 133/TMA/2020-2021

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :– 15X2=30

(क) छत्रं सव्यजनं सनन्दिपटहं भद्रासनं कल्पितं

न्यस्ता हेममयाः सदर्भकुसुमास्तीर्थाम्बुपूर्णा घटाः।

युक्तः पुष्यरथश्च मन्त्रिसहिताः पौराः समभ्यागताः

सर्वस्यास्य हि मङ्गलं स भगवान् वेद्यां वसिष्ठः स्थितः।।

अथवा

द्रुमा धावन्तीव द्रुतरथगतिक्षीणविषया,

नदीवोद्वृत्ताम्बुर्निपतति मही नेमिविवरे।

अरव्यक्तिर्नष्टा स्थितमिव जवाच्चक्रवलयं–

रजश्चाश्वोद्धूतं पतति पुरतो नानुपतति ।।

(ख) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना–

माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु।।

अथवा

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे

विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला।

तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं

मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि ।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :– 5X5=25

2. संस्कृत नाटक की विशेषताएं लिखिए।

3. भाण रूपक को लक्षण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. जनान्तिक क्या है? लक्षण सहित स्पष्ट कीजिए।

5. प्रतिमानाटक के प्रथम अंक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

6. 'काव्येषु नाटकं रम्यं, तत्र रम्या शकुन्तला' इस उक्ति को स्पष्ट कीजिए।

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

7. भास कवि के व्यक्तित्व, कर्तृत्व एवं शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 10

8. महाकवि कालिदास की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए। 10

9. प्रतिमानाटक के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए :– 15

(क) नायक (ख) नान्दी

(ग) सूत्रधार (घ) विष्कम्भक